2022 संयुक्त राष्ट्र जैव विविधता सम्मेलन (COP15)

संयुक्त राष्ट्र जैव विविधता सम्मेलन (COP15) का एक अवलोकन

- दिनांक: 7-19 दिसंबर 2022
- स्थान: मॉन्ट्रियल, क्यूबेक, कनाडा
- प्रतिभागी: जैविक विविधता अभिसमय के सदस्य देश
- पूर्व का COP: शर्म-अल-शेख, मिस्र 2018
- अगला COP: तुर्की 2024

प्रमुख परिणाम

- 2030 तक 30% भूमि और महासागरों की रक्षा के लिए अंतर्राष्ट्रीय समझौता (**30 तक 30**)
- कुनमिंग-मॉन्ट्रियल ग्लोबल बायोडायवर्सिटी फ्रेमवर्क को अपनाया गया

पृष्ठभूमि

- मूल रूप से अक्टूबर 2020 के लिए निर्धारित था
- COVID-19 महामारी के कारण विलंबित
- कुनमिंग, चीन में अप्रैल 2022 के लिए पुनर्निर्धारित

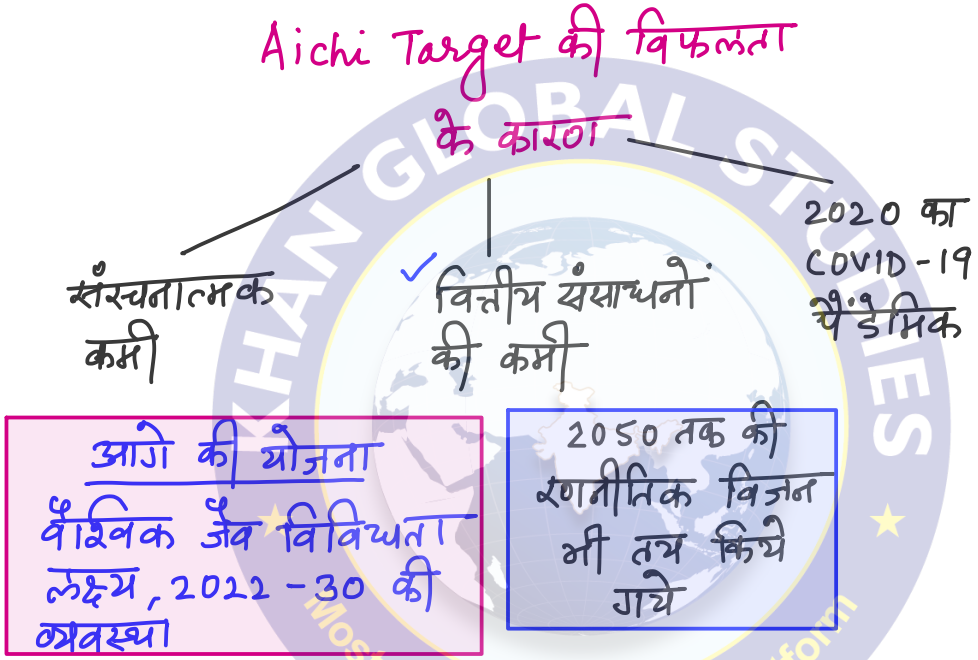
Aichi Target की विफलता के कारण
संरचनात्मक कमी
वित्तीय संसाधनों की कमी
2020 का COVID-19 पैंडेमिक
आगे की योजना
वैश्विक जैव विविधता लक्ष्य, 2022-30 की व्यवस्था
2050 तक की रणनीतिक विजन भी तय किये गये

- चीन की शून्य-कोविड नीति के कारण 2022 की तीसरी तिमाही के लिए फिर से स्थगित किया गया
- मई 2022 में, चीन ने कनाडा से मेजबान की जिम्मेदारी संभालने का अनुरोध किया
- दिसंबर 2022 में मॉन्ट्रियल, कनाडा में आयोजित किया गया, जहां CBD सचिवालय स्थित है
- चीन शिखर सम्मेलन का अध्यक्ष बना रहा
- दूसरी बार मॉन्ट्रियल ने पार्टियों CBD COP के लिए मेजबान शहर के रूप में कार्य किया (पहली बार 2005 में COP11 जलवायु परिवर्तन सम्मेलन हुआ था)

UNFCCC COP 11

Montreal Protocol, 1987

CBD CoP, 2022

KHAN GLOBAL STUDIES
Most Trusted Learning Platform
KHAN SIR

Kunming-Montreal Global Biodiversity Framework (GBF) | कुनमिंग-मॉन्ट्रियल ग्लोबल बायोडायवर्सिटी फ्रेमवर्क (जीबीएफ)

4 दीर्घकालिक उद्देश्य (वर्ष 2050 तक के लिए)

23 लक्ष्य (वर्ष 2030 तक के लिए) (Aichi लक्ष्यों की जगह लाये गये हैं)

- 2022 संयुक्त राष्ट्र जैव विविधता सम्मेलन का परिणाम
- 19 दिसंबर 2022 को जैविक विविधता पर कन्वेंशन के पार्टियों के 15वें सम्मेलन (COP15) द्वारा अपनाया गया
- "प्रकृति के लिए पेरिस समझौते" के रूप में भी जाना जाता है
- कुनमिंग और मॉन्ट्रियल के नाम पर, जो COP15 होस्टिंग कर्तव्यों से जुड़े शहर हैं
- इसमें 4 वैश्विक उद्देश्य (2050 के लिए कुनमिंग-मॉन्ट्रियल वैश्विक उद्देश्य) और 23 लक्ष्य (कुनमिंग-मॉन्ट्रियल 2030 वैश्विक लक्ष्य) शामिल हैं.
- "लक्ष्य 3" को "30 तक 30" लक्ष्य कहा जाता है
- जैव विविधता 2011-2020 के लिए रणनीतिक योजना (आइची जैव विविधता लक्ष्य सहित) के बाद इसका अनुसरण किया जाएगा

1) संरक्षण
2) सतत उपयोग एवं प्रबन्धन
3) लाभ के साझाकरण पर
4) वित्तीय संसाधन

चार उद्देश्य

1. पारिस्थितिक तंत्र के स्वास्थ्य में सुधार; मानव-कारण से प्रजातिओं को विलुप्त होने को रोकें; प्रजातियों के विलुप्त होने के जोखिम को कम करना; देशी प्रजातियों की आबादी और आनुवंशिक विविधता को बढ़ावा देना.
2. जैव विविधता के सतत उपयोग और प्रबंधन को बढ़ावा देना; लोगों को मिलने वाली प्रकृति के लाभों में वृद्धि;

संरक्षण

सतत उपयोग एवं प्रबंधन

KHAN GLOBAL STUDIES Most Trusted Learning Platform KHAN SIR

2050 तक वर्तमान और भविष्य की पीढ़ियों के लिए सतत विकास का समर्थन करना.

3. आनुवंशिक संसाधनों, डिजिटल जानकारी और पारंपरिक ज्ञान का उपयोग करने से होने वाले लाभों को उचित रूप से साझा करना; वैश्विक समझौतों के अनुरूप जैव विविधता संरक्षण और सतत उपयोग में योगदान.
4. ढांचे को लागू करने के लिए पर्याप्त संसाधन और सहायता प्रदान करना; जैव विविधता वित्त अंतर को बंद करना; कुनमिंग-मॉन्ट्रियल ग्लोबल बायोडायवर्सिटी फ्रेमवर्क और 2050 विजन फॉर बायोडायवर्सिटी के लिए वित्तीय प्रवाह को बनाये रखना

मुख्य लक्ष्य → 12-15 लक्ष्यों को लिखना है.

- 2030 तक 30% भूमि और समुद्री क्षेत्रों की रक्षा करना
- 2030 तक 20% क्षतिग्रस्त पारिस्थितिक तंत्र को पुनर्स्थापित करना
- 2030 तक प्लास्टिक प्रदूषण सहित कुल प्रदूषण में 50% की कटौती करना
- 2030 तक जैव विविधता पर मछली पकड़ने के प्रभावों को 50% तक कम करना
- 2030 तक वैश्विक ऊर्जा मिक्स में अक्षय ऊर्जा की हिस्सेदारी बढ़ाकर 50% करना
- टिकाऊ कृषि और भूमि उपयोग प्रथाओं को प्रोत्साहित करना, जिसमें कीटनाशक और उर्वरक उपयोग को कम करना शामिल है

KHAN GLOBAL STUDIES Most Trusted Learning Platform KHAN SIR

- 2030 तक भोजन की बर्बादी और नुकसान को 50% तक कम करना
- जलवायु परिवर्तन और अन्य पर्यावरणीय चुनौतियों के लिए प्रकृति-आधारित समाधानों का उपयोग करना
- 2030 तक 20% अंतर्देशीय जल पारिस्थितिक तंत्र को सुरक्षित और पुनर्स्थापित करना
- जैव विविधता संरक्षण में स्थानीय समुदायों की भागीदारी बढ़ाना
- जैव विविधता संरक्षण और प्रबंधन में लैंगिक समानता और महिला सशक्तिकरण को बढ़ावा देना
- जैव विविधता संरक्षण और सतत उपयोग के लिए वित्तीय संसाधनों को बढ़ावा देना
- जैव विविधता संरक्षण के लिए संरक्षित क्षेत्रों की प्रभावशीलता में वृद्धि
- जैव विविधता पर आक्रामक विदेशी प्रजातियों के नकारात्मक प्रभावों को कम करना
- टिकाऊ वन प्रबंधन का समर्थन करना और वनों की कटाई को कम करना
- पारिस्थितिक तंत्र सेवाओं और आजीविका के लिए महत्वपूर्ण प्रजातियों के संरक्षण की स्थिति में सुधार करना
- जैव विविधता और पारिस्थितिक तंत्र को बचाते हुए स्थायी पर्यटन प्रथाओं को मज़बूत करना
- शहरी और आस पास के क्षेत्रों की स्थिरता में वृद्धि
- जलवायु परिवर्तन और अन्य खतरों के लिए पारिस्थितिकी तंत्र के लचीलेपन को मजबूत करना

- उचित लाभ-साझाकरण को प्रोत्साहित करना
- जैव विविधता डेटा और सूचना की उपलब्धता और पहुंच बढ़ाना

KHAN GLOBAL STUDIES
Most Trusted Learning Platform
KHAN SIR

2 Feb World Wetlands Day

1971 : रामसर, Iran में अपनाया गया समझौता.

↳ 1975 से लागू

↳ किसी भी पारिस्थितिक तंत्र पर केन्द्रित, विश्व की एकमात्र संधि

रामसर अभिसमय

1. आर्द्रभूमि (Wetlands)

1.1. आर्द्रभूमि क्या है?

- आर्द्रभूमि वह क्षेत्र है जहाँ की भूमि पानी से ढकी होती है, यह पानी खारा या अलवण जल हो सकता है.
- यह वर्ष के कम से कम एक भाग के लिए पूरी तरह से पानी से ढका रहता है.
- आर्द्रभूमि एक संक्रमण क्षेत्र हैं, जिसका अर्थ है कि वे न तो पूरी तरह से शुष्क भूमि हैं और न ही पूरी तरह से पानी के नीचे हैं.
- वे अंटार्कटिका को छोड़कर हर महाद्वीप पर कई तरह की जलवायु में मौजूद हैं.

1.2. आर्द्रभूमि के महत्व

Nature's Kidney

- **पानी की गुणवत्ता में सुधार:** आर्द्रभूमि प्राकृतिक जल शोधक और फ़िल्टरिंग तलछट के रूप में कार्य करते हैं. पानी के खुले क्षेत्र तक पहुँचने से पहले वे सतह के अपवाह से कई प्रदूषक पदार्थों को हटा देते हैं.
- **तटीय क्षति में कमी:** तटीय आर्द्रभूमियाँ बड़े तूफानों की बल को कम करने में मदद करती हैं. वे तूफानों के दौरान बाढ़, तटीय कटाव और संपत्ति के नुकसान को कम करने में मदद करते हैं.

KHAN GLOBAL STUDIES Most Trusted Learning Platform KHAN SIR

- **बाढ़ नियंत्रण:** नदियों और जलधाराओं के पानी को संग्रहित करती है. इस प्रकार, वे अनुप्रवाह बाढ़ क्षति को कम करते हैं और आकस्मिक बाढ़ के जोखिम को कम करते हैं.
- **वन्यजीव आवास प्रदान करना:** आर्द्रभूमियाँ उभयचरों, सरीसृपों, पक्षियों और स्तनधारियों की कई प्रजातियों के लिए आवास प्रदान करती हैं जो विशिष्ट रूप से जलीय वातावरण के अनुकूल हैं.
- **पारिस्थितिक तंत्र उत्पादकता बनाए रखना:** आर्द्रभूमि में पर्यावरणीय परिस्थितियाँ जीवों के विकास के लिए आदर्श हैं, जो खाद्य जाल का आधार बनाते हैं. आर्द्रभूमियों के सूक्ष्म जीव, पौधे और वन्यजीव, नाइट्रोजन, जल और सल्फर के वैश्विक चक्र के हिस्से हैं.
- **कार्बन स्टोर करना**: आर्द्रभूमि कार्बन को कार्बन डाइऑक्साइड के रूप में वातावरण में छोड़ने के बजाय इसे अपने संयंत्र समुदायों और मिट्टी के भीतर स्टोर करते हैं.
- **आर्थिक लाभ:** इसमें आर्द्रभूमि से मिलने वाले इमारती लकड़ियां , पौधे और मछलियां शामिल है.

1.3. आर्द्रभूमि को खतरा

- **हाइड्रोलॉजिकल परिवर्तन:** ये परिवर्तन जल और प्रदूषक अपवाह को आर्द्रभूमि में बढ़ाते हैं. आर्द्रभूमि क्षेत्रों में सामान्य हाइड्रोलॉजिकल परिवर्तनों में भराव सामग्री का जमाव, जल निकासी को रोकना प्रवाह को मोड़ देना और जलविभाजन में अभेद्य सतहों को जोड़ना शामिल है.

KHAN GLOBAL STUDIES
Most Trusted Learning Platform
KHAN SIR

- **प्रदूषण:** प्रदूषकों के स्रोत, जैसे कि तलछट, उर्वरक, मल, पशु अपशिष्ट, सड़क के लवण, कीटनाशक और भारी धातुएं आर्द्रभूमि की प्रदूषकों को अवशोषित करने की प्राकृतिक क्षमता को पार कर सकता है और दुर्दशा का कारण बन सकता है.
- **वनस्पति क्षति:** जलीय परिवर्तन और प्रदूषण आर्द्रभूमि के पौधों को क्षति पहुंचाते हैं. अन्य गतिविधियाँ जो आर्द्रभूमि के वनस्पति को ख़राब कर सकती हैं, उनमें घरेलू पशुओं द्वारा चराई, गैर-देशी पौधों के प्रवेश और पीट खनन के लिए वनस्पति को हटाना शामिल है.
- **आक्रामक प्रजातियों का प्रवेश:** यह या तो जानबूझकर या अनजाने में प्रविष्ट होते हैं और फिर , देशी पौधों पर दबाव डाल सकते है और अंततः उन्हें उनके मूल आवास से बाहर कर सकते है.

2. रामसर अभिसमय (Ramsar Convention)

2.1. रामसर अभिसमय क्या है?

- यह एक अंतर-सरकारी संधि है जो आर्द्रभूमि और उनके संसाधन के संरक्षण और सतत उपयोग के लिए राष्ट्रीय कार्रवाई और अंतर्राष्ट्रीय सहयोग के लिए संरचना प्रदान करता है.
- इसका नाम ईरान के रामसर शहर के नाम पर रखा गया है.
- यह एकमात्र वैश्विक पर्यावरण संधि है जो एक विशेष पारिस्थितिकी तंत्र से संबंधित है, और अभिसमय के

सदस्य देशों ने दुनिया के सभी भौगोलिक क्षेत्रों को शामिल किया हैं.

2.2. रामसर अभिसमय में आर्द्रभूमि की परिभाषा

- अभिसमय अपने मिशन में शामिल वेटलैंड्स के प्रकारों की व्यापक परिभाषा का उपयोग करता है, जिसमें शामिल हैं
    - झीलें और नदियाँ,
    - दलदल, गीले घास के मैदान और पीटलैंड,
    - ज्वारनदमुख, डेल्टा और ज्वारीय फ्लैट,
    - निकट-तटीय समुद्री क्षेत्र, मैंग्रोव और प्रवाल भित्तियाँ, और
    - मानव निर्मित स्थल जैसे मछली के तालाब, धान के खेत, जलाशय और नमक के मैदान.

2.3. स्वीकरण और मुख्यालय

- 2 फरवरी, 1971 को रामसर में एक बैठक में भाग लेने वाले देशों द्वारा अभिसमय को विकसित और अपनाया गया और **21 दिसंबर, 1975 को यह लागू हुआ.**
- प्रत्येक वर्ष **2 फरवरी को विश्व आर्द्रभूमि दिवस** मनाया जाता है.
- इसका मुख्यालय **ग्लैंड, स्विट्जरलैंड** में स्थित है, जिसे IUCN के साथ साझा किया गया है.

2.4. अनुबंध पार्टियों का सम्मेलन

- अनुबंध पार्टियों के सम्मेलन (COP) में, रामसर अभिसमय के हस्ताक्षरकर्ता हर तीन साल में मिलते हैं.

- पहला COP 1980 में कालियरी, इटली में आयोजित किया गया था.
- मूल सम्मेलन में संशोधन पर पेरिस, फ्रांस (1982 में) और रेजिना, कनाडा (1987 में) में सहमति हुई.
- COP 14 चीन के वुहान में 2022 में हुआ था.

2.5. रामसर स्थल

- 172 रामसर अनुबंधित पार्टियों के क्षेत्रों में 2,300 से अधिक रामसर स्थल हैं.
- स्थलों की सबसे अधिक संख्या वाला देश यूनाइटेड किंगडम है जबकि सूचीबद्ध आर्द्रभूमि का सबसे बड़ा क्षेत्रफल वाला देश बोलीविया है, जिसमें लगभग 148,000 वर्ग किलोमीटर है.

भारत में 75
→ Aug 2022 में
↳ 11 नये site जुड़े.

2.6. मॉन्ट्रेक्स रिकॉर्ड

संकटग्रस्त / संकटापन्न वेटलैंड की सूची.
↓
संरक्षण के विशेष प्रयासों की आवश्यकता

- यह अंतर्राष्ट्रीय महत्व की आर्द्रभूमियों की सूची में आर्द्रभूमि स्थलों का एक रजिस्टर है, जहां तकनीकी विकास, प्रदूषण या अन्य मानवीय हस्तक्षेप के परिणामस्वरूप पारिस्थितिक चरित्र में परिवर्तन हुए हैं, हो रहे हैं, या होने की संभावना है.
- यह रामसर सूची के भाग के रूप में शामिल है.
- वर्तमान में, भारत के दो आर्द्रभूमि मॉन्ट्रेक्स रिकॉर्ड में शामिल हैं: **केवलादेव राष्ट्रीय उद्यान (राजस्थान)** और **लोकतक झील (मणिपुर)**.

KHAN GLOBAL STUDIES Most Trusted Learning Platform KHAN SIR

2.7. अंतर्राष्ट्रीय संगठन भागीदार

रामसर कन्वेंशन **छह संगठनों** के साथ मिलकर काम करता है जिन्हें अंतर्राष्ट्रीय संगठन भागीदार (IOPs) के रूप में जाना जाता है. ये हैं:

1. बर्ड लाइफ इंटरनेशनल
2. अंतर्राष्ट्रीय प्रकृति संरक्षण संघ (IUCN)
3. अंतर्राष्ट्रीय जल प्रबंधन संस्थान (IWMI)
4. वेटलैंड्स इंटरनेशनल
5. विश्व वन्यजीव कोष (WWF)
6. इंटरनेशनल वाइल्डफॉल एंड वेटलैंड्स ट्रस्ट (WWT)

भारत में रामसर स्थलों की सूची

फरवरी 2023 तक, भारत में कुल 75 रामसर स्थल

	राज्य	स्थल का नाम	घोषणा की तिथि
1	आंध्र प्रदेश	कोलेरू झील	19.8.2002
2	असम	दीपोर बील	19.8.2002
3	बिहार	कबरतल आर्द्रभूमि	21.07.2020
4	गोवा (सबसे छोटे wetland क्षेत्रफल वाला राज्य)	नंदा झील	06.08.2022
5	गुजरात	खिजड़िया वन्यजीव अभयारण्य	13.04.2021

KHAN GLOBAL STUDIES Most Trusted Learning Platform KHAN SIR

	राज्य	स्थल का नाम	घोषणा की तिथि
6	गुजरात	नलसरोवर पक्षी अभयारण्य	24.09.2012
7	गुजरात	थोल झील वन्यजीव अभयारण्य	05.04.2021
8	गुजरात	वाधवाना आर्द्रभूमि	05.04.2021
9	हरयाणा	भिंडावास वन्यजीव अभयारण्य	25.05.2021
10	हरयाणा	सुल्तानपुर राष्ट्रीय उद्यान	25.05.2021
11	हिमाचल प्रदेश	चंद्रताल आर्द्रभूमि	8.11.2005
12	हिमाचल प्रदेश	पोंग बांध झील	19.8.2002
13	हिमाचल प्रदेश	रेणुका आर्द्रभूमि (सबसे छोटा रामसर स्थल)	8.11.2005
14	जम्मू और कश्मीर	होकेरा आर्द्रभूमि	8.11.2005
15	जम्मू और कश्मीर	हाइगम आर्द्रभूमि संरक्षण रिजर्व	13.08.2022
16	जम्मू और कश्मीर	शालबुघ वेटलैंड कंजर्वेशन रिजर्व	13.08.2022
17	जम्मू और कश्मीर	सुरिंसर-मानसर झीलें	8.11.2005

KHAN GLOBAL STUDIES Most Trusted Learning Platform KHAN SIR

	राज्य	स्थल का नाम	घोषणा की तिथि
18	जम्मू और कश्मीर	वुलर झील	23.3.1990
19	कर्नाटक	रंगनाथिट्टू पक्षी अभयारण्य	15.02.2022
20	केरल	अष्टमुडी आर्द्रभूमि	19.8.2002
21	केरल	सस्थमकोट्टा झील	19.8.2002
22	केरल	वेम्बनाड कोल आर्द्रभूमि	19.8.2002
23	लद्दाख	त्सो कार आर्द्रभूमि परिसर	17.11.2020
24	लद्दाख	त्सोमोरीरी झील	19.8.2002
25	मध्य प्रदेश	भोज आर्द्रभूमि	19.8.2002
26	मध्य प्रदेश	साख्य सागर	01.07.2022
27	मध्य प्रदेश	सिरपुर आर्द्रभूमि	01.07.2022
28	मध्य प्रदेश	यशवंत सागर	13.08.2022
29	महाराष्ट्र	लोनार झील	22.7.2020
30	महाराष्ट्र	नंदूर मदमहेश्वर	21.6.2019
31	महाराष्ट्र	ठाणे क्रीक	13.08.2022
32	मणिपुर	लोकतक झील	23.3.1990

	राज्य	स्थल का नाम	घोषणा की तिथि
33	मिजोरम	पाला आर्द्रभूमि	31.08.2021
34	ओडिशा	अंसुपा झील	13.08.2022
35	ओडिशा	भीतरकणिका मैंग्रोव	19.8.2002
36	ओडिशा	चिल्का झील (सबसे पुराना)	1.10.1981
37	ओडिशा	हीराकुंड जलाशय	13.08.2022
38	ओडिशा	सतकोसिया कण्ठ	10.12.2021
39	ओडिशा	तमारा झील	13.08.2022
40	पंजाब	ब्यास संरक्षण रिजर्व	26.9.2019
41	पंजाब	हरिके झील	23.3.1990
42	पंजाब	कांजली झील	22.1.2002
43	पंजाब	केशोपुर-मियां कम्युनिटी रिजर्व	26.9.2019
44	पंजाब	नंगल वन्यजीव अभयारण्य	26.9.2019
45	पंजाब	रोपड़ झील	22.1.2002
46	राजस्थान Rajasthan	केवलादेव घाना एनपी	1.10.1981

KHAN GLOBAL STUDIES Most Trusted Learning Platform KHAN SIR

	राज्य	स्थल का नाम	घोषणा की तिथि
47	राजस्थान Rajasthan	सांभर झील	23.3.1990
48	तमिलनाडु (सर्वाधिक wetland स्थलों वाला राज्य)	चित्रांगुडी पक्षी अभयारण्य	13.08.2022
49	तमिलनाडु	मन्नार की खाड़ी समुद्री बायोस्फीयर रिजर्व की खाड़ी	04.08.2022
50	तमिलनाडु	कांजीरंकुलम पक्षी अभयारण्य	13.08.2022
51	तमिलनाडु	कारिकिली पक्षी अभयारण्य	04.08.2022
52	तमिलनाडु	कुंथनकुलम पक्षी अभयारण्य	11.08.2021
53	तमिलनाडु	पल्लीकरनई मार्श रिजर्व फॉरेस्ट	04.08.2022
54	तमिलनाडु	पिचवरम मैंग्रोव	04.08.2022
55	तमिलनाडु	प्वाइंट कैलिमेरे वन्यजीव और पक्षी अभयारण्य	19.8.2002
56	तमिलनाडु	सुचिंद्रम थेरूर आर्द्रभूमि परिसर	13.08.2022

	राज्य	स्थल का नाम	घोषणा की तिथि
57	तमिलनाडु	उदयमर्थंडपुरम पक्षी अभयारण्य	04.08.2022
58	तमिलनाडु	वडुवुर पक्षी अभयारण्य	13.08.2022
59	तमिलनाडु	वेदान्थांगल पक्षी अभयारण्य	04.08.2022
60	तमिलनाडु	वेलोड पक्षी अभयारण्य	04.08.2022
61	तमिलनाडु	वेम्बन्नूर आर्द्रभूमि परिसर	04.08.2022
62	त्रिपुरा	रुद्रसागर झील	8.11.2005
63	उत्तर प्रदेश.	बखिरा वन्यजीव अभयारण्य	29.06.2021
64	उत्तर प्रदेश.	हैदरपुर आर्द्रभूमि	8.12.2021
65	उत्तर प्रदेश.	नवाबगंज पक्षी अभयारण्य	19.9.2019
66	उत्तर प्रदेश.	पार्वती आगरा पक्षी अभयारण्य	2.12.2019
67	उत्तर प्रदेश.	समन पक्षी अभयारण्य	2.12.2019
68	उत्तर प्रदेश.	समसपुर पक्षी अभयारण्य	3.10.2019

KHAN GLOBAL STUDIES Most Trusted Learning Platform KHAN SIR

	राज्य	स्थल का नाम	घोषणा की तिथि
69	उत्तर प्रदेश.	सैंडी पक्षी अभयारण्य	26.9.2019
70	उत्तर प्रदेश.	सरसई नवर झील	19.9.2019
71	उत्तर प्रदेश.	सूर सरोवर	21.8.2020
72	उत्तर प्रदेश.	अपर गंगा नदी	8.11.2005
73	उत्तराखंड	आसन संरक्षण रिजर्व	21.7.2020
74	पश्चिम बंगाल (सबसे अधिक वेटलैंड क्षेत्रफल वाला राज्य)	पूर्वी कोलकाता आर्द्रभूमि	19.8.2002
75	पश्चिम बंगाल	सुंदरबन आर्द्रभूमि (सबसे बड़ा रामसर स्थल)	30.1.2019

KHAN GLOBAL STUDIES Most Trusted Learning Platform KHAN SIR

Ramsar Sites of India

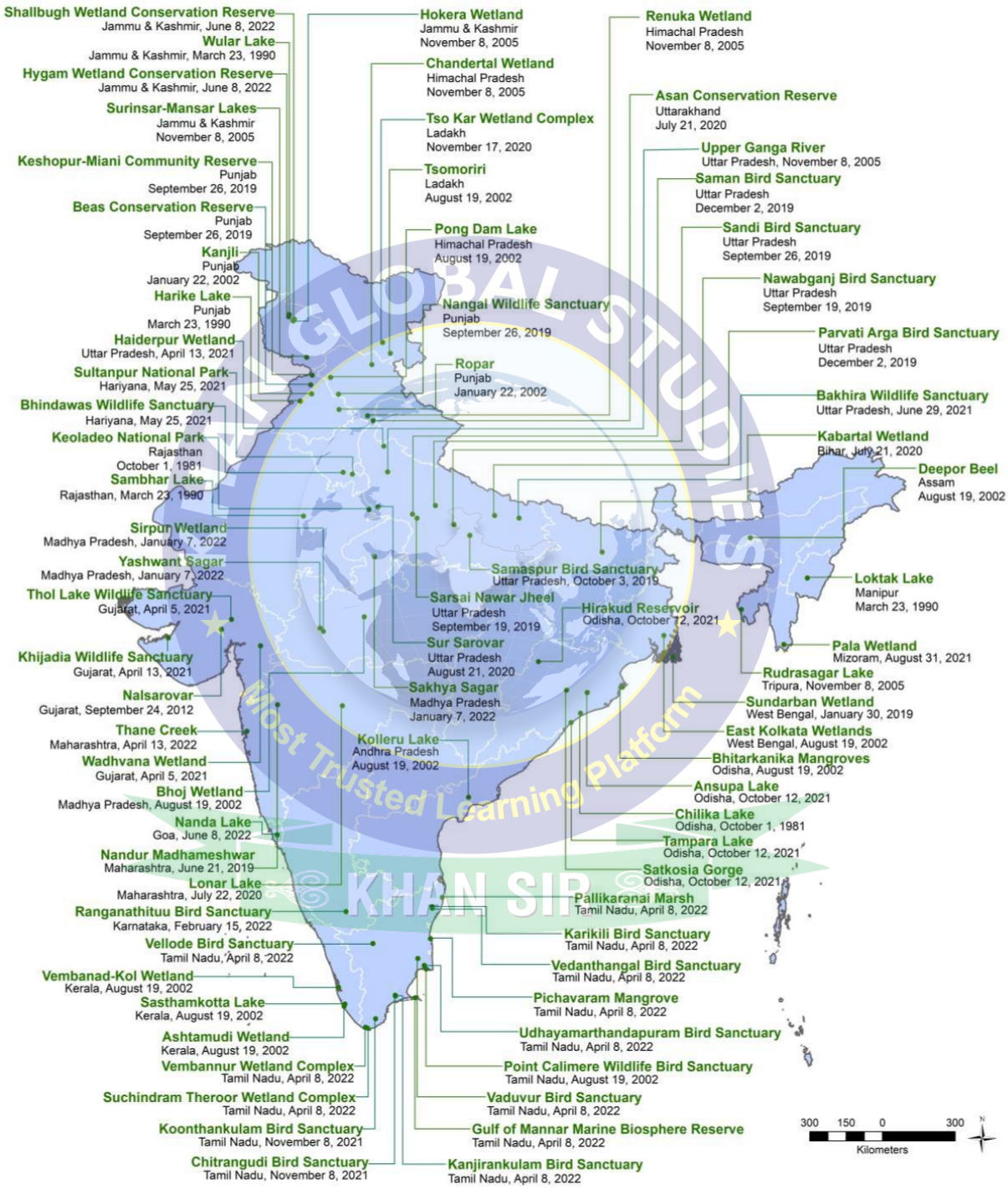

KHAN GLOBAL STUDIES
Most Trusted Learning Platform
KHAN SIR

Wetlands INTERNATIONAL

नये शामिल हुए रामसर स्थल (अगस्त 2022 में 11 नये स्थल) – Imp.

Name of wetland	State
Tampara Lake	Odisha (3)
Hirakud Reservoir	
Ansupa Lake	
Yashwant Sagar	Madhya Pradesh (1)
Chitrangudi Bird Sanctuary	Tamil Nadu (4)
Suchindram Theroor Wetland Complex	
Vaduvur Bird Sanctuary	
Kanjirankulam Bird Sanctuary	
Thane Creek	Maharashtra (1)
Hygam Wetland Conservation Reserve	Jammu and Kashmir (2)
Shallbugh Wetland Conservation Reserve	

KHAN GLOBAL STUDIES Most Trusted Learning Platform KHAN SIR

3. वेटलैंड्स इंटरनेशनल

रामसर अभिसमय की एक सहयोगी संस्था

- यह एकमात्र वैश्विक गैर-लाभकारी संगठन है जो आर्द्रभूमि के संरक्षण और बहाली के लिए समर्पित है.
- जल पक्षी के संरक्षण पर ध्यान केंद्रित करते हुए इंटरनेशनल वाइल्डफॉल इंक्वायरी की स्थापना 1937 में की गई थी. बाद में इसका नाम बदलकर अंतर्राष्ट्रीय जलपक्षी और आर्द्रभूमि अनुसंधान ब्यूरो कर दिया गया.
- 1991 में, दो और संगठन (एशियाई आर्द्रभूमि ब्यूरो और अमेरिका के लिए आर्द्रभूमि) अंतर्राष्ट्रीय जलपक्षी और आर्द्रभूमि अनुसंधान ब्यूरो में शामिल हो गए.
- 1996 में, इन तीन संगठनों को वेटलैंड्स इंटरनेशनल बनाने के लिए विलय कर दिया गया.
- इस संस्था का मुख्यालय नीदरलैंड में है.

4. आर्द्रभूमि संरक्षण और प्रबंधन केंद्र Centre for Wetland Conservation and Management (CWCM)

- 2 फरवरी, 2021 को विश्व आर्द्रभूमि दिवस के अवसर पर भारत में आर्द्रभूमि संरक्षण और प्रबंधन केंद्र स्थापित किया गया.
- यह पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन मंत्रालय के तहत काम कर रहे राष्ट्रीय सतत् तटीय प्रबंधन केन्द्र (National Centre for Sustainable Coastal Management- NCSCM), चेन्नई का एक हिस्सा है.
- इस केंद्र का उद्देश्य भारत की आर्द्रभूमि के संरक्षण, बहाली करना.